भ्रमण आख्या

भ्रमण जनपद : रायबरेली
दिनांक : 16 से 18 दिसम्बर 2015
टीम : श्री0 अमित श्रीवास्तव– उपमहाप्रबन्धक (मानव संसाधन)
: मौ0 इलयास– कार्यक्रम समन्वयक (नियोजन)

प्रथम दिवसः–

सर्वप्रथम टीम द्वारा डा0 राकेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रायबरेली से उनके कार्यालय में भेट कर, तीन दिवसीय भ्रमण के उददेश्य से अवगत कराया गया और भ्रमण प्लान तैयार किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा भ्रमण में राज्य स्तरीय टीम को सहयोग प्रदान करने हेतु जनपद कार्यक्रम अधिकारी एवं सम्बन्धित चिकित्सा अधिकारियों को सहयोग हेतु निर्देशित किया गया।

ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवसः–

टीम द्वारा ग्राम–कान्हा मऊ में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सत्र माइक्रो प्लान के अनुसार आयोजित किया जा रहा है। सत्र पर श्रीमती चन्द्रवती, ए0एन0एम0, आंगनबाडी कार्यकत्री एवं आशा द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आवश्यक सामग्री, उपकरण एवं वैक्सीन इत्यादि उपलब्ध थे। अपेक्षित लाभार्थीयों की सूची तैयार की गई थी, जिसके आधार पर लाभार्थीयों को बुलाया जा रहा था।

सुझाव एवं फीडबैकः–

- सत्र पर विगत सत्रों के कार्ड का उपलब्ध न होना। इस सम्बंध में उपमहाप्रबन्धक द्वारा ए0एन0एम0 को निर्देशित किया कि हर सत्र पर पिछले सत्र के कार्ड सदैव साथ रखें एवं नियमित रूप से अघतन करें।

प्रथम सर्म्भन इकाई (लालगंज):–

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (एफ0आर0यू0) के चिकित्सा अधीक्षक डा0 रजत चौरसिया, बाल रोग विशेषज्ञ, के अतिरिक्त एक निश्चेतक, एक सर्जन, एक आर्थो एवं एक डेन्टल, पांच चिकित्सक (एम0बी0बी0एस0), आयुष एवं पेरामेडिकल स्टाफ अपना सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। स्वास्थ्य इकाई पर प्रत्येक माह औसतन 350 प्रसव कराये जाते हैं। गत माह मे एक सिजेरियन प्रसव

भी निष्पादित किया गया। फाईलेरिया दिवस का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत टीम बनाकर दवा वितरण का कार्य किया जा रहा था।

<u>सुझाव एवं फीडबैकः–</u>

- स्वास्थ्य इकाई में सामान्य साफ–सफाई उचित नहीं थी। स्वास्थ्य इकाई का टाइम एवं का बोर्ड नहीं लगा था।
- स्वास्थ्य इकाई पर आई0ई0सी0/बी0सी0सी0 से सम्बन्धित साम्रगी (जननी सुरक्षा योजना, जे0एस0एस0के0, परिवार नियोजन आदि) की अत्यन्त कमी पायी गयी। इस सम्बंध में चिकित्सा अधीक्षक को अवश्यक एवं निर्धारित पोस्टर, वॉल पेन्टिग कराने के सम्बंध में निर्देशित किया गया।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एफ0आर0यू0 स्तर की इकाईं है, जिस पर सिजेरियन प्रसव की व्यवस्था की गई है, परन्तु प्रसव एवं महिला रोग विशेषज्ञ एवं रेडियोग्राफर की तैनाती नहीं है, जोकि अत्यन्त अवश्यक है।
- जे0एस0वाई0 के अन्तर्गत लाभार्थीयों को दी जाने वाली धनराशि का भुगतान किया जा रहा है परन्तु लगभग 450 लाभार्थीयों के भुगतान अभी शेष हैं।
- लेवर रूम में शोचालय अटैच नहीं है। मातृ स्वास्थ्य द्वारा प्रदान कराये गये प्रोटोकॉल पोस्टर पूर्ण नहीं थे।
- लेवर रूम में निरीक्षण के दौरान कोई स्टाफ नर्स नहीं उपस्थित नहीं थी। पूछने पर ज्ञात हुआ कि वह अन्य कार्य में व्यस्त है।
- लेवर रूम के अन्दर बायो मेडिकल वेस्ट मेनेजमेन्ट का पालन नहीं हो रहा था अतः दो कलर बिन्स (एक बिना ढक्कन की) रखी थीं एवं फर्श पर गल्वस एवं कुछ गंदे कपडे पडे थे।
- लेवर रूम की सफाई एवं उपकरणों के डिस्इंफेक्शन का कोई रजिस्टर मेंनटेन नहीं किया जा रहा था।
- एम0वी0ए0/इ0वी0ए0 किट, ओ0टी0 लाइट मोवाईल, मल्टीपेरा मॉनीटर उपलब्ध नहीं है।
- एनेथिसिया मशीन खराव पडी है। सी0बी0सी0 मशीन उपलब्ध है लेकिन मानव संसाधन की अनुपलब्धता के कारण प्रयोग में नहीं आ रही है।

उपर्युक्त सभी बिन्दुओं से चिकित्सा अधीक्षक को अवगत कराया गया।

द्वितीय दिवसः–

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (सालोन)

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा0 बी0 के0 वैषवार वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि यह स्वास्थ्य इकाई जनपद अमेठी से काटकर जनपद रायबरेली में जोडी गयी है जोकि 29 बेडस की स्वीकृति के साथ क्रियाशील हैं, परन्तु वर्तमान में 15 बैडस ही क्रियाशील हैं। स्वास्थ्य इकाई, जिला मुख्यालय से लगभग 12 किमी की दूरी रोड के समीप ही सरकारी भवन में स्थापित है। मानव संसाधन के रूप में दो चिकित्सक, चार स्टाफ नर्स, तीन ए0एन0एम0, दो–दो एल0टी0 एवं फार्मासिस्ट और तीन एल0एच0वी0 तैनात हैं। निरीक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दु निम्न हैं।

सुझाव / फीडबैक

- बॉयोमेडिकल वेस्ट मेनेजमेन्ट एवं लाउड्री आदि सपोर्ट सर्विस सुचारू रूप से नहीं चल रही हैं।
- स्वास्थ्य इकाई का जेनसेट खराब पडा है। किराये के जेनसेट से सेवांए ली जा रही है।
- Functional Suction apparatus , Microscope क्रियाशील नहीं है।
- Serum Bilirubin and RPR आदि जाचें नहीं हो रही है।
- डिलीवरी रजिस्टर में अंकित सूचनााओं के अध्ययन से ज्ञात हुआ कि अधिकांशता केसों में प्रथम स्तनपान मात्र 8–30 मिनट के मध्य कराया गया। साथ ही शिशुओं का वजन 2.00 कि0ग्रा0, 2.5 कि0ग्रा0 या 3.00 कि0ग्रा0 अंकित किया गया है।
- जे0एस0वाई0 के अन्तर्गत अन्तिम भुगतान दिनांक 16.11.2015 तक किये गये प्रसवों के लाभार्थीओं का हुआ है। निरीक्षण के दिवस तक लगभग 500 लाभार्थीओं का भुगतान शेष था, जिसमें लगभग 225 का बैंक खाता न होने की दशा में रूका हुआ था।
- डिलीवर रूम में एम0एन0एच0 टूल किट के अनुसार अवश्यक ट्रे उपलब्ध नहीं थी। इमरजेंसी ट्रे में अवश्यक मेडिसिन उपलब्ध नहीं थीं।
- डिलीवर रूम में प्रोटोकॉल पोस्टर्स उपलब्ध नहीं थें और ना ही पार्टोग्राफ का प्रयोग में लाया जा रहा था।
- डिलीवर रूम शोचालययुक्त नहीं है। वॉश बेसिन

बहुत गंदा था।

- डिलीवर रूम के पीछे की दीवार पर दो शीशेयुक्त खिडकीयां लगीं, जिसपर न तो कोई पर्दा था और न ही जाली लगी थी।
- प्रसव पश्चात देखभाल वार्ड में उचित सफाई नहीं थी। साथ ही वार्ड के अन्दर एक नल लगाया गया है, जिसका पानी फर्श पर फैल जाता है। खिडकी खुली एवं दरवाजे पर पर्दा ने होने के कारण कक्ष में ठंडक बढ गयी है। प्रसूताओं से वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि उनको कक्ष में हवा एवं पानी की वजह से सर्दी लगती है।
- जे0एस0एस0 के रजिस्टर में डिस्चार्ज/छुट्टी की तिथि एवं समय नहीं दर्शाया जा रहा है।

उपकेन्द्र नूरूददीनपुर

उपकेन्द्र गांव के अन्दर सरकारी भवन में स्थित है। जहां पर श्रीमती कुसुम मिश्रा, ए0एन0एम0 द्वारा सेवाएं प्रदान की जा रहीं है। केन्द्र पर उचित साफ–सफाई थी एंव ए0एन0एम0 केन्द्र पर ही निवास करती है। लेवर रूम एवं डिस्पेंसरी/स्टोर रूम की व्यवस्था है। निरीक्षण के समय तक 83 प्रसव रजिस्टर में अंकित थे। जिनमें से 12 लाभार्थीयों के भुगतान शेष हैं। निरीक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दु निम्न हैं।

- उपकेन्द्र पर विधुत कनेक्शन नहीं कराया गया है जबकि गांव में विधुत की सुविधा उपलब्ध है।
- लेवर रूम में अवश्यक उपकरण एंव साम्रगी मानकानुसार नहीं है जैसे : डिलीवरी टेबल का गददा एवं कैली पैड, मेकिनटास, समस्त अवश्यक ट्रे आदि।
- Inj. Magnicium Shalphate, Inj. Oxytoxin एवं tablet Misoprostol उपलब्ध नहीं हैं।
- बायो मेडिकल मेडिकल वेस्ट उपकेन्द्र परिसर के अन्दर ही जलाकर नष्ट किय जा रहा है।
- केन्द्र के भवन पर किसी प्रकार की कोई आई0ई0सी0/बी0सी0सी0 सामग्री पोस्टर, बैनर एवं दीवार लेखन नहीं है। उपकेन्द्र का नाम एवं उपलब्ध सेवाएं आदि का कोई विवरण दीवार आदि पर नहीं लिखा गया है।

तृतीय दिवसः–

जिला पुरूष चिकित्सालय (रायबरेली)

डा0 एन0के0 श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिक्षक, जिला पुरूष चिकित्सालय से वार्ता की गई। वार्ता में एन0आर0सी0 सेवाओं एवं चिकित्सालय में कार्यरत टेक्नीशियन के सन्दर्भ में विस्तृत विचार विमर्श किया गया। टेक्नीशियन के सन्दर्भ में उपमहाप्रबन्धक द्वारा सुझाव दिया गया कि वह अपने स्तर से एक पद की मांग का प्रस्ताव मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से राज्य स्तर को उपलब्ध करायें, जिसके पश्चात उस पर उचित कार्यवाही की जा सकेगी।

एन0आर0सी0

एन0आर0सी0 भ्रमण के दौरान डा0 चर्तुवेदी से विचार विमर्श किया गया। वार्ता के दौरान एन0आर0सी0 द्वारा दी जाने वाले सेवाओं एवं मानव संसााधन के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की। रिकार्ड/रिपोर्ट के आधार पर एन0आर0सी0 की शैयया उपयोगिता दर में वृद्वि हुयी है। साथ ही फालो–अप विजिट भी बढी हैं। भ्रमण के दौरान 9 बच्चे भर्ती थे। माताओं से बात करने पर ज्ञात हुआ कि एन0आर0सी0 में दी जाने वाली सेवाएं संतोषजनक हैं एवं स्टाफ द्वारा बच्चों का पूर्ण ध्यान रखा जाता है। एक माता द्वारा बताया गया कि वह गत 9 दिन से भर्ती है। एन0आर0सी0 की देखभाल एवं उपचार के पश्चात उसका बच्चा स्वस्थ है।

जिला महिला चिकित्सालय (रायबरेली)

दिनांक 18 दिसम्बर 15 को जिला महिला चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। भम्रण के दौरान लेवर रूम, प्रसव पश्चात वार्ड, चिकित्यालय की सामान्य सफाई, अर्श क्लीनिक एवं जे0एस0वाई0 आदि का निरीक्षण/जानकारी ली गयी। चिकित्सालय में सामान्य सफाई उचित थी। आई0ई0सी0/बी0सी0सी0 की सामग्री एंव दीवार लेखन किया गया था। दिसम्बर 2015 तक कुल 4985 किये जा चुके थें जिसमें 3393 का जे0एस0वाई0 भुगतान किया चुका था। 1592 प्रसूताओं का जे0एस0वाई0 भुगतान शेष है। जिसका बडा कारण बैंक खाते की अनुपलब्धता बतायी गयी।

लेबर रूम–भ्रमण के दौरान डा0 कमलेश सिंह, एन0एस0एस0के0 एवं स्टाफ नर्स, श्रीतमी तैयवा वानो, एस0बी0ए0 और एन0एस0एस0के0 एवं श्रीमती सरिता द्वारा पी0पी0आई0यू0सी0डी0 का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। जिनके द्वारा प्रसव सेवा प्रदान की जा रही है। जिला महिला चिकित्सालय द्वारा लगभग 500 प्रसव प्रतिमाह किये जाते हैं। लेबर रूम की सामान्य साफ–सफाई संतोषजनक थी। प्रसव सम्बंधी प्रोटोकॉल पोस्टर दीवार पर चस्पा थे। न्यूवार्न कार्नर क्रियाशील था।

प्रसव पश्चात वार्ड का भ्रमण करने पर ज्ञात हुआ कि कुछ बैड पर बैडशीट नहीं है। या जिन बैडस पर शीट लगी है, वह अत्यन्त गंदी है। वार्ड में बैडस बहुत पास–पास लगे हैं जिससे प्रसूताओं एवं उनके सहयोगियों को आने जाने में असुविधा हो रही थी। प्रसव कक्ष में जननी सुरक्षा, जे0एस0एस0के आदि आई0ई0सी0/बी0सी0सी0 सम्बंधी पोस्टर नहीं लगे थे।

अर्श परामर्श केन्द्र

जिला महिला चिकित्सालय में स्थित अर्श एवं परिवार नियोजन परामर्श केन्द्र पर परामर्शदाता क्रमशः सुश्श्री ममता श्रीवास्तव एवं श्रीमती रीता सिंह द्वारा परामर्श सेवा प्रदान की जा रही थी। वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि सुश्श्री ममता श्रीवास्तव द्वारा 27, दिसम्बर 2014 को सेवा में आयीं हैं परन्तु उनको प्रशिक्षण प्रदान नहीं कराया गया। प्रशिक्षित न होन के पश्चात भी उनके द्वारा अच्छा कार्य करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतिदिन 15–20 मरीजों (किशोरियों) को परामर्श प्रदान किया जा रहा है। अर्श काउंसर हेतु पृथक से कक्ष प्रदान कराया गया है,जिसको सम्बन्धित आई0सी0सी0 साम्रगी से सुसज्जित करने हेतु एवं प्रत्येक दिवस चिकित्सकों से मिलकर किशोरीयों को परामर्श हेतु केन्द्र पर भेजने के लिए अनुरोध करने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।

अंत में प्रदेश स्तरीय पर्यवेक्षण टीम द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रायबरेली को उपर्युक्त समस्त बिन्दुओं से अवगत कराया गया, जिसपर उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि वह उन सभी सुझावों का संज्ञान लेगें और सम्बन्धित सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी को उन कार्यो को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु निर्देशित करेंगें। साथ ही जो कार्य जनपद स्तर से अपेक्षित हैं, उन पर भी शीर्ध कार्य किया जायेगा।

मो0 इलयास
कार्यक्रम समन्वयक
नियोजन–अनुभाग

अमित श्रीवास्तव
उपमहाप्रबन्धक,
मानव संसाधन